Wednesday

माँग की लोच (Elasticity of Demand)

माँग की मूल्य लोच :-

मूल्य परिवर्तन के सापेक्ष माँग की संवेदनशीलता नापने के लिए माँग की मूल्य लोच की अवधारणा का प्रयोग किया जाता है। माँग की लोच ज्ञात करने के लिए मूल्य में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन की तुलना माँग में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन के साथ की जाती है।

$$\text{माँग की मूल्य लोच } (e_p) = (-)\frac{\text{माँग में प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{मूल्य में प्रतिशत परिवर्तन}}$$

$$e_p = \frac{\frac{\Delta x}{x} \times 100}{\frac{\Delta P}{P} \times 100}$$

$$\boxed{e_p = -\frac{\Delta x}{\Delta P} \times \frac{P}{x}}$$

e_p = माँग की मूल्य लोच
ΔP = मूल्य में परिवर्तन
Δx = माँग में परिवर्तन
P = प्रारम्भिक मूल्य
x = " माँग

माँग की मूल्य लोच के सूत्र में एक ऋणात्मक चिन्ह लगा दिया जाता है ताकि माँग की लोच का धनात्मक मान प्राप्त हो सके।

माँग की लोचु के मान के आधार पर इसे पाँच भागों में बाँट सकते है।

1) पूर्णतया लोचदार ($e_p = \infty$) :-

जब मूल्य में अत्यंत छोटा (शून्य के निकट) परिवर्तन होने पर माँग में अत्यंत बड़ा परिवर्तन हो जाता है तो माँग पूर्णतया लोचदार कहलाती है।

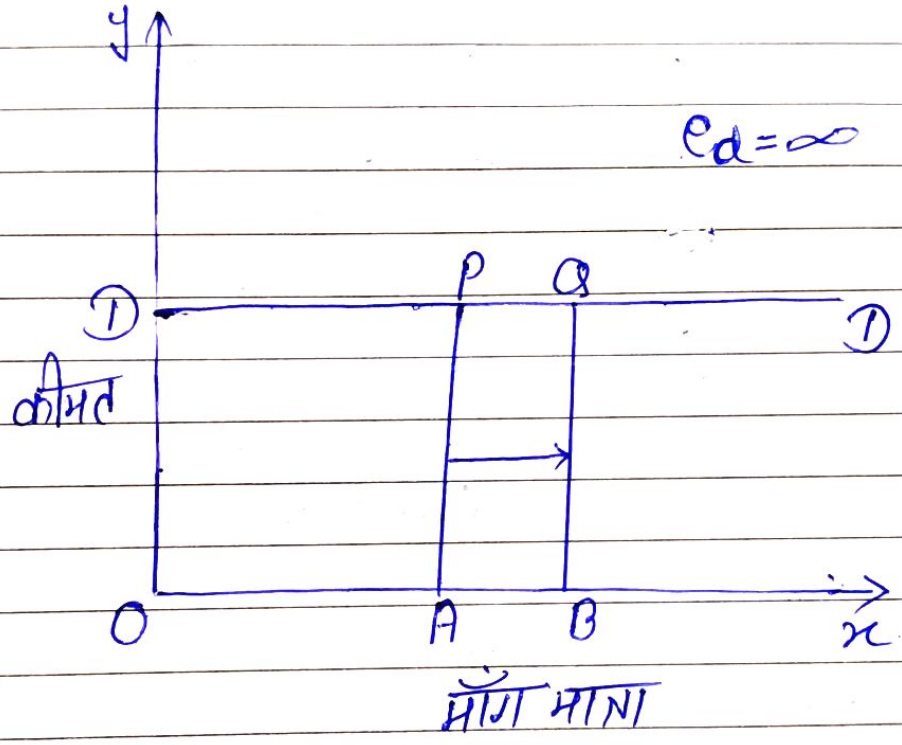

(2) पूर्णतया बेलोच ($e_p = 0$) :-

जब मूल्य में बड़े से बड़ा परिवर्तन होने पर माँग अपरिवर्तित बनी रहती है तो माँग पूर्णतया बेलोच कहलाती है।

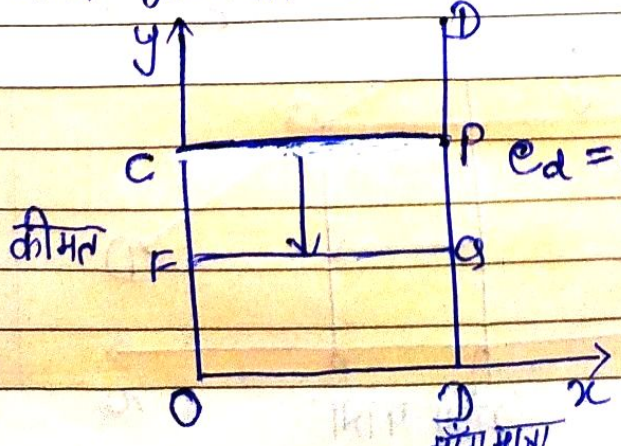

~~(3) पूर्णतया बेलो~~

(3) इकाई लोचदार ($e_p = 1$) :-

जब मूल्य में परिवर्तन माँग में समान आनुपातिक परिवर्तन उत्पन्न करता है। तो माँग इकाई लोचदार कहलाती है।

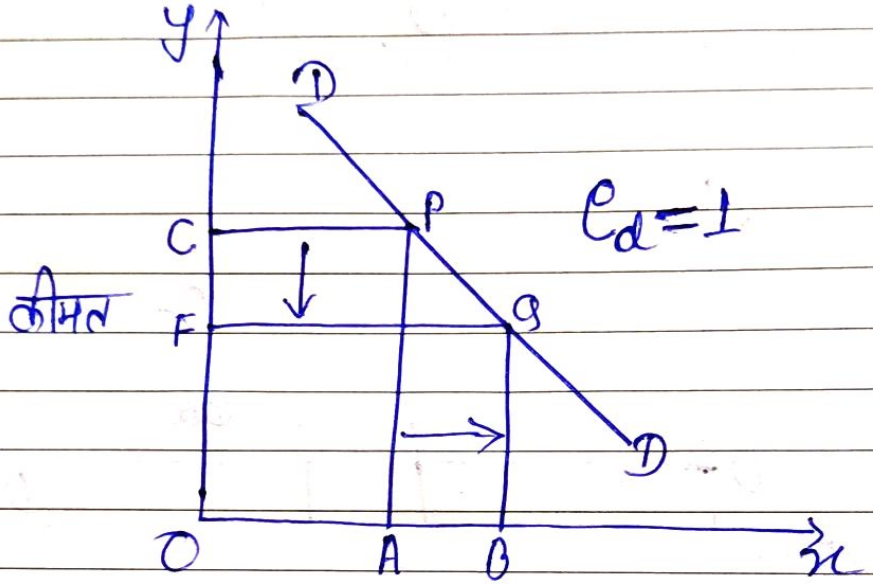

(4) अपेक्षाकृत लोचदार ($e_p > 1$) :-

जब मूल्य में होने वाले आनुपातिक परिवर्तन की तुलना में माँग में होने वाला आनुपातिक परिवर्तन अपेक्षाकृत बड़ा होता है तो माँग अपेक्षाकृत लोचदार कहलाती है।

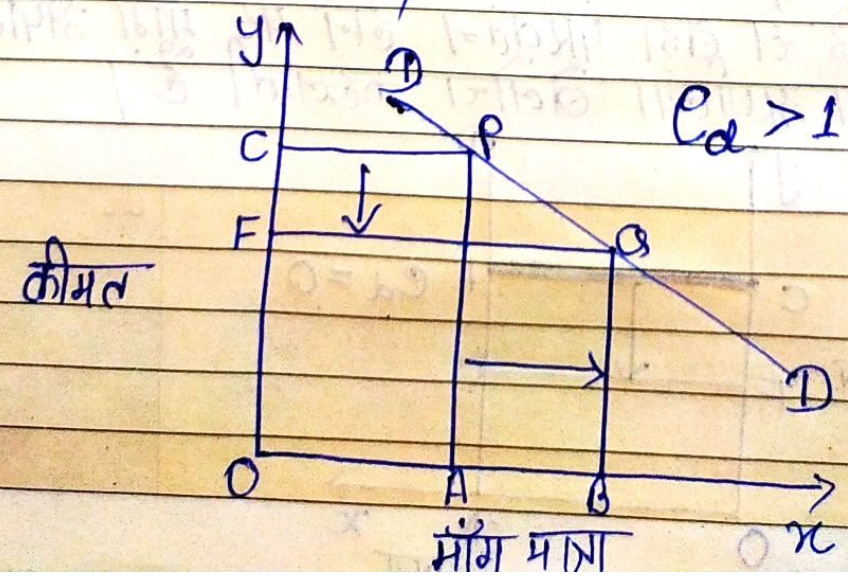

(5) अपेक्षाकृत बेलोच ($e_p < 1$) :-

जब मूल्य में होने वाले परिवर्तन की तुलना में माँग में होने वाला आनुपातिक परिवर्तन अपेक्षाकृत छोटा होता है तो माँग अपेक्षाकृत बेलोच कहलाती है।